पुनः रामराज्य लाने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका : मंत्री खराड़ी

- चार दिवसीय राष्ट्रीय मीडिया सम्मेलन एवं रिट्रीट का शुभारंभ

- देशभर से प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, रेडियो और वेब मीडिया से जुड़े लोग पहुंचे

ज्ञानसरोवर-माउण्ट आबू। ब्रह्माकुमारीज़ के ज्ञान सरोवर परिसर में 'नई सामाजिक व्यवस्था के लिए दृष्टि और मूल्य-मीडिया की भूमिका' विषय पर आयोजित चार दिवसीय राष्ट्रीय मीडिया सम्मेलन एवं रिट्रीट में देशभर से प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, रेडियो और वेब मीडिया से जुड़े संपादक और पत्रकार भाग लेने पहुंचे।

शुभारंभ पर राजस्थान के जनजातीय क्षेत्रीय विकास एवं गृह रक्षा विभाग कैबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने कहा कि आज नेता कुर्सी पाने के लिए और सत्ता में आने के लिए कुछ भी करने को तैयार हैं। नेताओं का नैतिक पतन चिंता का विषय है। हम उस महान संस्कृति से आते हैं जहां भरत जैसे राजा हुए जिन्होंने 14 वर्ष अपने बड़े भाई श्रीराम के पैरों की खड़ाऊ रख कर शासन चलाया। अब पुनः राम राज्य आएगा, इसे कोई रोक नहीं सकता। किंतु इसमें मीडिया को महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी।

हमें मिलकर राम राज्य लाना है

अंतर्राष्ट्रीय प्रेरक वक्ता ब्र.कु. शिवानी बहन ने कहा कि हमें मिलकर राम राज्य लाना होगा। इसके लिए एक-एक को संकल्प करना होगा। हमारे संस्कारों से ही रामराज्य और रावण राज्य बनता है। संस्कारों से संसार बनता है। यदि हमारे संस्कार दिव्य, पवित्र होंगे तो रामराज्य आएगा। हमें आग लगाने वाली नहीं आग बुझाने वाली चिड़िया बनना है। हमें समाज को नई दिशा देने वाला पत्रकार बनना है। हमें अपने संस्कारों को दिव्य बनाकर स्वर्णिम संसार लाना है। इसमें हर एक को अपनी सहभागिता निभानी है।

भारतीय जनसंचार संस्थान के पूर्व महानिदेशक और जाने माने मीडिया गुरु प्रो. संजय द्विवेदी ने कहा कि हम नारद जी को प्रथम संचारक कहते हैं। उनका काम है लोक मंगल। उन्हें सभी प्यार करते हैं। उनकी प्रमाणिक दृष्टि थी, ऐसी ही दृष्टि पत्रकार की होनी चाहिए। पत्रकारिता किसके लिए, कैसी हो, यह बात यहां ब्रह्माकुमारीज़ में सिखाई जाती है। हमारा जो भी ज्ञान है वह विश्व को सुख देने के लिए है। हमें दूसरों को दोष देना बंद करना होगा। खुद समस्याओं का समाधान ढूंढ़ना होगा।

संस्थान की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. सुदेश दीदी ने कहा कि हमें अपने श्रेष्ठ कर्मों से फिर से स्वर्णिम भारत बनाना है। मल्टीमीडिया के निदेशक ब्र.कु. करुणा भाई ने कहा कि जब पत्रकार स्वयं मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ रहेंगे तो समाज के लिए बेहतर कर पाएंगे। राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. सरला आनंद, पूर्व कुलपति मानसिंह परमार, यूके से आए लेखक नेविले होड़ीगसन व राष्ट्रीय संयोजक ब्र.कु. शांतनु भाई ने भी अपने विचार रखे।

राजयोग भवन में ' संस्कार सृजन समर कैम्प' का आयोजन

बच्चों को संस्कारों का निर्माण करने की सुंदर प्रेरणा मिलेगी : रक्षा दुबे

भोपाल-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ के क्षेत्रीय मुख्यालय राजयोग भवन अरेरा कॉलोनी में आयोजित 10 दिवसीय 'संस्कार सृजन समर कैम्प' के उद्घाटन कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्रीमती रक्षा दुबे,संयुक्त आयुक्त जीएसटी विजीलेंस डिपार्टमेंट भोपाल ने कहा कि बच्चों को अपने बड़ों से, अपने शिक्षकों से एवं अपने मित्रों से अपनी हर जिज्ञासा का उत्तर ढूंढ़ने के लिए

आशीर्वचन देते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. अवधेश दीदी,क्षेत्रीय निदेशिका,ब्रह्माकुमारीज़ ने कहा कि बच्चों के जीवन में निरंतरता की आवश्यकता है, अनुशासन की आवश्यकता है एवं नैतिक मूल्यों की आवश्यकता है। अगर बच्चे अपने शांत स्वरूप में स्थित होकर, मन को एकाग्र करके अपने जीवन में इन नैतिक

मूल्यों को अपनायें तो वह अपना जीवन तो सुखी बनाएंगे ही परंतु अपने परिवार का, समाज का और देश का भी नव निर्माण करेंगे।

खूब प्रश्न करने चाहिए और जब उन प्रश्नों का उत्तर उन्हें मिले तो उससे संतुष्ट होकर के अपने जीवन में सदा उमंग-उत्साह का संचार करना चाहिए और आगे बढ़ते रहना चाहिए, उड़ते रहना चाहिए। बच्चों को इस कैम्प के माध्यम से अपने संस्कारों का निर्माण करने की सुंदर प्रेरणा मिलेगी ऐसी मेरी शुभकामना है। साथ ही उन्होंने स्वस्थ और अच्छे जीवन के लिए बच्चों को मोबाइल तथा अन्य उपकरणों का सही उपयोग करने पर बल दिया। गायत्री शक्तिपीठ के प्रमुख प्रचारक राजेश पटेल ने कहा कि बच्चे एक मिट्टी के लौंदे की तरह हैं। जैसे एक कुम्हार मिट्टी का बर्तन बनाता है तो अंदर और बाहर दोनों तरफ से थपथपाता है। ऐसे ही मेरी यह शुभकामना है कि इस समर कैम्प के माध्यम से बच्चों के बाहरी व्यक्तित्व के साथ-साथ आंतरिक व्यक्तित्व का भी विकास होगा। व्यवस्थापक रामचंद्र गायकवाड ने कहा कि वन प्लस वन टू तो हम पढ़ते आए, परंतु हम एक और एक 11 भी बन सकते हैं अगर हम एक-दूसरे के अच्छे सहयोगी बनें। हम एक-दूसरे के अच्छे सहयोगी बन करके इस देश का निर्माण कर सकते हैं। ब्र.कु. दीपेन्द्र ने समर कैम्प के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए इस दौरान होने वाली प्रतिस्पर्धाओं और रूपरेखा से सभी को अवगत कराया। ब्र.कु. सरिता बहन ने मंच का कुशल संचालन किया। ब्र.कु. खुशबू बहन ने सभी का आभार व्यक्त किया एवं बच्चों को कुछ टिप्स बताए ताकि वह समर कैम्प का पूरा सदुपयोग कर सकें। ब्र.कु. संगीता बहन एवं ब्र.कु. ममता बहन ने अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया। ब्र.कु. मोनिका बहन और ब्र.कु. आशीष भाई ने कार्यक्रम के प्रारंभ में बच्चों को शारीरिक व्यायाम एवं योग कराया। कार्यक्रम में 100 से भी अधिक बच्चों ने भाग लिया और सभी ने मिलकर यह प्रतिज्ञा की कि हम पूरे 9 दिनों तक इस समर कैम्प का लाभ लेंगे और देश का एक अच्छा नागरिक बनेंगे।

ब्रह्माकुमारी बहनों का त्याग और सेवा सराहनीय है : न.पा. अध्यक्ष

हाथरस-उ.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ के शान्ति भवन, आनंदपुरी कॉलोनी सेवाकेंद्र के वार्षिकोत्सव समारोह तथा ब्र.कु. मीना बहन रामपुर की रजत जयन्ती समारोह का आयोजन केला फार्म में धूमधाम से किया गया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए दिल्ली से आईं वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी ब्र.कु. अनुसूइया दीदी ने कहा कि आध्यात्मिक सशक्तिकरण यह है कि ईर्ष्या, द्वेष, झूठ आदि जो भी बुराइयां हैं जिसमें संसार लिप्त है उनसे हटकर अच्छाई के लिए समर्पित होना। सब कुछ भगवान का है ऐसा सोचने से सेवा के भाव जागृत होंगे। नगरपालिका अध्यक्ष श्वेता चौधरी ने कहा कि यह परमपिता परमात्मा शिव की ही शक्ति है जो इस संगठन में अच्छाई का विकास करने के लिए इतने लोग सेवाभाव से जुड़ते हैं। इसमें ब्रह्माकुमारी बहनों का त्याग और सेवा सराहनीय है। राजस्व राज्यमंत्री अनूप प्रधान वाल्मीकि ने अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यहां आकर शान्ति और स्नेह के वातावरण की महसूसता होती है। अच्छाई

इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ की वार्षिक सेवा की थीम ' आध्यात्मिक सशक्तिकरण द्वारा स्वस्थ एवं समृद्ध समाज' का भी शुभारंभ किया गया।

को बढ़ाने में ब्रह्माकुमारीज़ का विशाल संगठन सारे संसार में भारत के अध्यात्म और राजयोग को फैला रहा है। संगठन से जुड़े लोग बधाई के पात्र हैं। इस अवसर पर रामपुर की ब्र.कु. मीना बहन की रजत जयन्ति के उपलक्ष्य में उनका चुनरी, मुकुट, माला पहनाकर धूमधाम से स्वागत किया गया तथा केक काटा गया। बदायूं सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. करुणा बहन ने कार्यक्रम का संचालन किया। आभार आनंदपुरी सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. शान्ता बहन ने व्यक्त किया। इस मौके पर इगलास की ब्र.कु. हेमलता दीदी व अन्य ब्र.कु. भाई-बहनों सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आध्यात्मिक शिक्षा ज़रूरी : हेमलता दीदी

- बच्चों को अच्छे गुणों से संस्कारित करने का यह सही समय : डॉ. राव

- बच्चों के चारित्रिक विकास में ब्रह्माकुमारीज़ का 'समर कैम्प' मददगार : उज्जवल पोरवाल

- नैतिक मूल्यों की धारणा कराएगी लक्ष्य की प्राप्ति... ब्र.कु. सविता दीदी

रायपुर-छ.ग.। ब्रह्माकुमारीज़ के शान्ति सरोवर में 'प्रेरणा समर कैम्प' का रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ समापन हुआ। इस अवसर पर आयोजित समारोह में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) के निदेशक एन.वी. रमना राव ने समर कैम्प आयोजित करने के लिए ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की सराहना करते हुए कहा कि वर्तमान समय इसकी बहुत अधिक आवश्यकता है। बच्चों में अच्छे गुणों और संस्कारों का बीज बोने का यह सही समय है। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान का उद्देश्य उच्च मानवीय गुणों को जागृत करना है। यहाँ सिखलाया जाने वाला राजयोग तनाव को दूर करने में मददगार सिद्ध हुआ है। उन्होंने बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि इसमें बच्चों में रचनात्मकता की झलक दिखाई देती है। स्मार्ट सिटी रायपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी(आईएएस)उज्जवल पोरवाल ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बच्चों के चारित्रिक विकास एवं उनमें एकाग्रता विकसित करने में समर कैम्प मददगार बनेगा। वर्तमान समय शारीरिक और स्कूली शिक्षा के साथ ही आध्यात्मिक शिक्षा पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। आत्मबल नहीं होने के कारण बच्चे सुसाइड करने से नहीं हिचकते। राजयोग से उनके मनोबल में वृद्धि हो सकती है। इन्दौर ज़ोन की क्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. हेमलता दीदी ने अपने आशीर्वचन में कहा कि व्यक्तित्व विकास के लिए बच्चों का सर्वांगीण विकास होना बहुत ज़रूरी है। आजकल बच्चे अल्पकालिक सुख के लिए भौतिक साधनों के पीछे भाग रहे हैं। उनके माता-पिता भी पश्चिमी सभ्यता का अन्धानुकरण कर रहे हैं। नैतिक और आध्यात्मिक शिक्षा की ओर उनका ध्यान नहीं है। रायपुर सेवाकेंद्र की संचालिका ब्र.कु. सविता दीदी ने कहा कि बचपन मूल्यवान समय होता है। इसी समय हम अपना लक्ष्य निर्धारित करते हैं। लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जीवन में नैतिक मूल्यों का होना ज़रूरी है। उन्होंने समारोह में उपस्थित माता-पिता से अनुरोध किया कि अपना समय टीवी और मोबाइल में व्यर्थ नष्ट करने की बजाय बच्चों के संग बांटें ताकि बच्चों को प्यार मिले और अपनापन पैदा हो। सुश्री प्रगति दावरा मिरानी और ब्र.कु. भावना दीदी ने भी अपने विचार रखे। संचालन ब्र.कु. सिमरण बहन ने किया। समर कैम्प में विजयी बच्चों को पुरस्कार व प्रमाण पत्र भी दिया गया।